BRIGIDA MORELLO CONVENT SCHOOL LUCKNOW

CLASS 2 HINDI

(norm सीरवी ' पाठ-1 फूनों से नित हॅसना सीरजो, भौरों से नित्राना। नित गाना | सुकी डातियों से, तरु की झुकी डातियों से, नेत सीरजी जीश झुकाना । FAT सीख हना के झोंकों से लेग, हिलना, जगत हिलाना । दूध और पानी से सीरबो, मिलना और मिलाना । सूरज की किर्तों से सीरजी, जगना सोर जगाना। लता सीर पेड़ां से सीरबो, सबकी गले लगाना । पृष्टनी से सीरवी प्राणी की, सन्यी सेवा करना । दीपूक से सीरबी जितना हो, सके अंधेरा हरना। - जीनाप सिंह Note:-प्रस्तुत कविता को Hundi' Revision copy में विश्विये तथा याद करिये।

BRIGIDA MORELLO CONVENT SCHOOL LUCKNOW

प्रधा रगब्दाये:- कावी में लिखिये ल्यायाद करिये जगत - संसार लता - पीधे की बेल शा। हरना - मिटाना नित - रीज तरु - पेड जीश - मिष्ठ - रिष्ट माथा। No2 कविता के आचार पर पंकित यों में दूरे हुए अब्द भरिरो रे, तक की झुकी op. द्युकाना नित सीखी से सीखी, रूप ओर 29. मीर मिलाना ।